प्रकाशनार्थ 5 मार्च 2024 : गोरखपुर महर्षि दयानन्द सरस्वती आधुनिक भारत के चिंतक तथा आर्य समाज के संस्थापक व समाज सुधारक थे। उनके बचपन का नाम ‘ मुलशंकर ‘ था उन्होने वेदो के प्रचार प्रसार के लिए मुम्बई में आर्य समाज कि स्थापना की। वेदो की ओर लौटो यह उनका ही दिया हुआ प्रमुख नारा था। हमारे गुरू श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक के तत्वधान में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।आज के रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को उत्साहवर्धन के लिए ब्लड बैंक के प्रभारी डाॅ अवधेश अग्रवाल ने आभासी रूप से जुडते हुए कहा कि समाज द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन करते रहना सामाजीक जागरूकता है। रक्तदान को महादान भी कहा जाता है। डाॅ अग्रवाल ने कहा कि लोग रक्तदान करने से भागते थे पहले समाज में रक्तदान के प्रति बहुत कुरीति थी वही अब कुरीति की वर्जनाए टुटी है और शिविर के माध्यम से रक्तदान किया जा रहा है। ऐसे में उन्हे खुशी हैं । कि आज का रक्तदान हमारे गुरू श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक में ही किया गया है।आज के रक्तदान शिविर में निकिता सिंह, उमेश पाण्डेय,अशोक सिंह, शिवम सिंह, आदित्य गोयल, संदीप यादव, अभय पाण्डेय, जितेन्द्र कसौधन सहित लगभग 28 लोगो ने रक्तदान किया। आज के इस शिविर में सभी टेक्निशियन उपस्थित रहे और उन्होने रक्तदान शिविर को संपन्न कराया।